

छतरी चाढे नी भाईडा घणो घणो तावडो पडे



छतरी चाढे नी भाईडा,
घणो घणो तावडो पडे,
तावडो पडे,
गौतमजी रो मेलो,
लम्बी नदियाँ मे भरे।bd।

ए अरे चार चार महिना,
आयो रे उनालो,
अरे चार चार महिना,
आयो रे उनालो,
उनाला री गरमी घणी जोर री पडे,
जोर री पडे,
भूरीया बाबा रो मेलो,
लम्बी नदीयाँ मे भरे।bd।

ए अरे चार चार महिना,
आयो रे चोमासो,
अरे चार चार महिना,
आयो रे चोमासो,
चोमासा रा मेवुडो घणो जोर को भरे,
जोर को भरे,
ए गौतमजी रो मेलो,
लम्बी नदीयाँ मे भरे।bd।

ए अरे चार चार महिना,
आयो रे सियालो,
अरे चार चार महिना,
आयो रे सियालो,
सियाला रा सदी घणी,
जोर री पडे,
जोर री पडे ए गौतमजी रो मेलो,
लम्बी नदीयाँ मे भरे।bd।



गौतमजी रो मेलो लागे,
सगला चालो भगता,
चालो दर्शन कर सुख पावो।bd।

ए अरे जल सेवा मीणा गुप,
जागरण रखावे,
अरे जल सेवा मीणा गुप,
जागरण रखावे,
पोसालीया नगरी मे मेलो,
जोर रो भरे जोर रो भरे,
गौतमजी रो मेलो,
लम्बी नदीयाँ मे भरे।bd।

छतरी चाढे नी भाईडा,
घणो घणो तावडो पडे,
तावडो पडे,
गौतमजी रो मेलो,
लम्बी नदियाँ मे भरे।bd।

गायक – संत कन्हैयालाल जी ।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818
